चेचट और रामगंज मंडी में दिवाली मिलन समारोह में माननीय अध्यक्ष का संबोधन

आप सभी को दिवाली की राम-राम। चेचट और रामगंज मंडी के सभी किसान भाइयों, नौजवान साथियों, माताओं और बहनों, इस रामगंज मंडी की ऐतिहासिक धरती, जिसकी प्रसिद्धि केवल राजस्थान, भारत में ही नहीं है, बल्कि देश के कई राज्यों के अंदर भी रामगंज मंडी की पहचान है। यह पहचान है आप सभी कर्मयोगियों के कारण, उन किसानों के कारण, जिन्होंने अच्छी क्वालिटी का, दुनिया की बेस्ट क्वालिटी की धनिया का उत्पादन किया। उसकी खुशबू जब मैं देश के बाहर भी जाता हूं, तो मुझे वहां भी रामगंज मंडी के धनिये की खुशबू नजर आती है। मैं हालैंड गया, तो मैंने पूछा कि धनिया सबसे बढ़िया किसका है तो उन्होंने कहा रामगंज मंडी का, जिसकी खुशबू और है। दुबई गया, तो वहां कहा कि धनिया किसका बढ़िया है, तो कहा कि रामगंज मंडी का। मैक्सिको में, यहां तक कि अमेरिका के इलाके के अंदर भी यहां के धनिया की पहचान है। यह उन किसानों की मेहनत है, जिन्होंने अपनी मेहनत से धनिये का उत्पादन किया और क्वॉलिटी को कमजोर नहीं होने दिया।

आज जब मैंने मंडी के अंदर मंडी की मुहूर्त की शुरुआत की, तो मैंने धनिये की बोली से शुरुआत की। धनिये का रेट आज **12** हजार रुपये था। मैंने व्यापारियों से कहा कि इसका रेट **12** हजार रुपये रहेगा, तो उन्होंने कहा कि शुरुआत आपने की है कि तो कम से कम **12** नहीं तो **12** के आसपास जरूर रखेंगे। उन्होंने एक बात और कही कि **12** हजार रुपये इसलिए है कि हमारे रामगंज मंडी का धनिया सबसे बढ़िया धनिया है और नाम से लोग लेते हैं। गुजरात के राजकोट इलाके के कुछ टक्कर लेने की कोशिश करते हैं, लेकिन खुशबू है तो वह धनिया रामगंज मंडी की है।

मैं इटली गया, तो मैंने एक पत्थर के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि यह कोटा स्टोन है। है रामगंज मंडी का, लेकिन कोटा स्टोन के नाम से जाना जाता है।

केवल इटली में ही नहीं, खाड़ी के अधिकतम देशों के अंदर कोटा स्टोन के पत्थर की महक है। यह उन मजदूरों का पसीना है, जिन्होंने तपती धूप के अंदर पत्थर पर खड़े होकर इस पत्थर को काटा, इस पत्थर को बनाया। व्यापारियों ने इस पत्थर को चीरकर और उसकी पॉलिश करके उसको बिकने योग्य बनाया।

इस कारण से सारे क्षेत्र की पहचान है, इसीलिए यह क्षेत्र अपनी पहचान के कारण मेरी भी पहचान कराता है। जिस इलाके का पत्थर है या धनिया है। मैं कह सकता हूं कि रामगंज मंडी के लोगों में एक परिश्रम करने की अटूट क्षमता है, ईमानदारी है और कार्य के प्रति समर्पण है।

मैं जब वर्ष **2014** का चुनाव लड़ा और फिर उसके बाद जब वर्ष **2019** का चुनाव लड़ा तो आपका प्यार, स्नेह और आर्शिवाद मुझे मिला। मैं सोचता था कि कोटा दक्षिण मेरा विधान सभा क्षेत्र है, मैं लगातार वहां से तीन बार विधायक बना। जब मतगणना की पेटी खुल रही थी तो मैंने कहा कि कोटा दक्षिण आगे रहेगा, कौन सा रहेगा, रामगंज मंडी के लोगों ने कहा कि इस बार रामगंज मंडी आगे रहेगा। यह उन कार्यकर्ताओं की मेहनत, यहां की जनता का प्यार, स्नेह और विश्वास है, जिन्होंने अपने अथक परिश्रम से मुझे वोट देकर एमपी और श्री नरेन्द्र मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाया।

जिस अपेक्षा और विश्वास के साथ आपने श्री नरेन्द्र मोदी जी को माननीय प्रधानमंत्री बनाया है, आप देखते हैं कि सरकार मोदी जी के नेतृत्व में लोगों के विश्वास और भरोसा को जीता है। आज देश-दुनिया के अंदर भारत की अलग पहचान है, भारत की समृद्धि है। भारत के नौजवानों का अथक परिश्रम है, जिसके कारण दुनिया के अंदर आज भारत तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बन रहा है और इस पर हर भारतीय को गौरव होता है।

इस मिट्टी पर रहने वाले और इस मिट्टी से बाहर दुनिया के अन्य देशों में रहने वाला, जो इस मिट्टी में पैदा हुआ, लेकिन कर्म वहां कर रहा है, उसको भी गौरव होता है। आज भारत दुनिया के अंदर तेजी से आर्थिक रूप से बढ़ रहा है और इससे सामाजिक जीवन में व्यापक परिवर्तन हो रहा है।

आर्थिक व सामाजिक जीवन में बदलाव **75** साल के लोकतंत्र की यात्रा है। आजादी के बाद हमारे मनीषियों ने फैसला किया कि सरकार कैसी होनी चाहिए, स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने जीवन को त्यागा, बलिदान दिए, कुर्बानियां दीं, वे नौजवान जिनकी उम्र **18** साल थी, **20** साल थी, उन्होंने अपने देश को सर्वोपरि माना और आजादी की लंबी लड़ाई लड़ी, न थके, न झूके, एक लंबे समय लगभग डेढ़ सौ साल के संघर्ष के बाद हमें आजादी मिली। जिसका सूर्य कभी अस्त नहीं होता था, उन अंग्रेजों की हुकूमत को हराकर भारत ने स्वतंत्रता प्राप्त की।

आज दुनिया के अंदर क्या हो रहा है**?** आज दुनिया के अंदर भारत में पैदा होने वाला व्यक्ति उस राज करने वाले पर राज कर रहा है। यह भारत की ताकत है, सबके प्रयास, सबका परिश्रम और सभी की सामूहिकता की ताकत है। हमारी कार्य संस्कृति और कार्य में सामूहिकता है, चाहे कितनी भी आपदा आ जाए, कितना भी संकट आ जाए, कितनी भी चुनौती आ जाए, हर आपदा, संकट और चुनौती से लड़ने की ताकत भारत के लोगों में है, सामूहिक रूप से लड़ने की ताकत है।

हमने कोरोना वैश्विक महामारी के समय देखा कि दुनिया के अंदर बड़े-बड़े विकसित देश जो आर्थिक रूप से बहुत मजबूत थे, टेक्नोलॉजी में मजबूत थे, जिनकी **per capita income** हमसे दस गुना ज्यादा थी, उनकी आबादी भी कम थी जबकि भारत की आबादी अधिक थी। हमारी विविधता, विशालता, संस्कृति, भाषा, बोलचाल और प्राकृतिक विविधताएं होने के बाद भी यह हमारी ताकत है। दुनिया को हमने बता दिया कि हम विशाल भी हैं, विविध भी हैं, लेकिन यही हमारी ताकत है, हमने दुनिया को यह बताने का काम किया, इसीलिए जब भी कोई संकट आता है, आपदा आती है, आपदा और संकट के समय हम सामूहिकता से काम करते हैं।

सभी लोग मिलकर काम करते हैं। यह हमारी प्राचीनतम गांव की संस्कृति है, गांव की संस्कृति पहले क्या होती थी, गांव में किसी भी परिवार में जब कोई संकट आता था, तो सारा गांव जाति और धर्म को भूलकर वंचित और गरीब व्यक्ति की सेवा करने के लिए सामूहिकता से काम करता था। इसी संस्कृति की ताकत अब धीरे-धीरे बनती जा रही है, गांव की संस्कृति अब शहरों में भी आने लगी है। हमारे नौजवान समझने लगे हैं कि अगर इस देश को आगे बढ़ाना है, तो सभी को मिलकर काम करना होगा, व्यापारी अपनी श्रेष्ठता से काम करे, इंडस्ट्री चलाने वाला अच्छा काम करे, ताकि लोगों को मजदूरी मिल सके, रोजगार का सृजन हो सके, उनको अच्छा वातावरण मिल सके और उनको अच्छी कार्य संस्कृति दे सकें।

मजदूर और सेठ में अंतर नहीं होना चाहिए, उसको एक परिवार की तरह अपनी एक कार्य संस्कृति अपने प्रतिष्ठान में बनाना चाहिए। वह भी आपका हिस्सेदार है, सेठ को जो पैसा कमा कर दे रहे हैं, उसमें उसका भी हिस्सा है, उस गरीब के पसीने से उस इंडस्ट्रीज का उत्पादन बढ़ा है, उसको लाभ हुआ है, उसको उतना ही हिस्सेदार होना चाहिए, यह हमारी परिवार की संस्कृति प्रतिष्ठानों में होनी चाहिए।

जब हम सामूहिक संस्कृति से काम करने लगेंगे, हम आबादी में भले ही बड़े देश हैं, लेकिन यही आबादी हमारी ताकत होगी, यही नौजवान दुनिया के अंदर हमारी ताकत होगा। आप दुनिया के अंदर चले जाएं, भारत के नौजवानों की समृद्ध बौद्धिक क्षमता, उनकी इनोवेशन करने की ताकत, नये सोच, नये विचार और नये सपने देने की संकल्प शक्ति और उस संकल्प को पूरा करने की ताकत दुनिया के अंदर भारत की ताकत बढ़ती जा रही है। एक समय था, जब हम बात करते थे, मेड इन चाइना, मेड इन सिंगापुर, आज दुनिया के अंदर मेड इन इंडिया की बात दुनिया के देश करने लगे हैं।

भारत के नौजवान की इनोवेशन क्षमता और सृजन की क्षमता इतनी अद्भुत है कि दुनिया के अंदर जितने भी विकसित देश हैं, आप उस विकसित देश में चले जाएं तो भारत का नौजवान ही अपनी कर्मशीलता के कारण दुनिया के उन देशों को आगे बढ़ाने का काम कर रहा है।

उसमें भारत के नौजवानों की हिस्सेदारी ज्यादा है, आज भारत के नौजवानों ने नये-नये स्टार्ट-अप शुरू करने का काम किया है। **70** हजार से ज्यादा नये स्टार्ट-अप शुरू किए गए हैं। अभी कुछ दिनों पहले जब मैं कृषि मेला में गया था, रामगोपाल जी यहां बैठे हुए हैं, ये भी गए थे, कुछ किसान भी गए थे। किस तरीके से हमारे नौजवानों ने कृषि के अंदर नये अनुसंधान और शोध किए हैं, जिससे आने वाले समय में कृषि हमारी आर्थिक ताकत बनेगी, हम कृषि को आर्थिक ताकत बनाएंगे तो ही दुनिया के अंदर हम राज कर पाएंगे।

कोरोना के समय अगर किसी ने देश को बचाया तो भारत के किसानों ने बचाया, जिन्होंने जमीन पर अधिक उत्पादन कर भारत की आर्थिक स्थिति को संभाल कर रखा। इसीलिए मेरा आपसे निवेदन है कि यह पूरा इलाका किसानों का है, आने वाले समय में रामगंज मंडी में जनवरी में दुनिया और देश के बड़े-बड़े स्टार्ट-अप, जो नौजवानों नए-नए रिसर्च कर रहे हैं, जिन्होंने कृषि को आधुनिक बनाने का काम किया है, उन सभी का यहां लाकर किसान मेला लगाएंगे ताकि हमारे किसान बेहतरीन बीज डाल सकें और अच्छा उत्पादन कर सकें।

हम किस तरीके से पशुपालन को बढ़ा सकते हैं, गोमाता के प्रोडक्ट को हम नई मार्केटिंग दे सकते हैं, हम किसानों की बहुआयामी इनकम बढ़ाने का काम कर सकें, इसके लिए जनवरी में मेला लगाएंगे। मुझे आशा है कि उसके बाद हमारे नौजवान कुछ नई कृषि की खेती करेंगे, जमीन में ज्यादा उत्पादन करेंगे, दुनिया के अंदर जहां

अच्छी रेट मिल सके, वहां कृषि प्रोडक्ट बेचने का काम करेंगे। अभी कुछ मसाला का पार्क लगाया है, आने वाले एक साल के अंदर इस मसाला पार्क में दुनिया की बड़ी-बड़ी इंडस्ट्रीज आने वाली है।

मैंने पिछले दिनों मंत्री जी से चर्चा की है, जो प्लॉट खाली पड़ा है, उसको भरें, अभी दो-तीन इंडस्ट्रीज वालों से मेरी बात चल रही है। फतेहपुर इलाके में डेढ़ सौ एकड़ से ज्यादा जमीन है जहां क्या नये इंडस्ट्री लग सकते हैं, उसके लिए मेरी लगातार चर्चा चल रही है ताकि इंडस्ट्रीज आने से लोगों को नया रोजगार मिल सके।

जो मुझसे संभव हो सकता है और जो भी बात आप मेरे ध्यान में लाते हैं, मेरी कोशिश रहती है कि आपका प्यार, स्नेह और विश्वास बनाकर रखूं। छोटे से छोटे काम के लिए भी मैं कोशिश करता हूं, जो काम गांव के अंतिम व्यक्ति ने कहा है, जिस पीड़ा से कहा है, जिस दर्द से कहा है, हम कैसे उसकी समस्या का समाधान कर सकते हैं। कुछ समस्या का समाधान अभी होगा, कुछ समस्या का निदान हमने बता ही दिया, आप एक साल इंतजार करो, उसके बाद पांच साल फिर रामगंज मंडी में कोई समस्या बाकी नहीं रहेगी।

रामगंज मंडी को एक विकास का एक नया मॉडल बनाकर हम देश और दुनिया के अंदर बताने का काम करेंगे। जहां हर हाथ को काम होगा, किसानों की नयी खेती होगी, हमारा पत्थर देश में बिके, इंटरनेशनल मार्केट में बिके, हम इसके लिए कार्ययोजना बनाएंगे। यहां का हर विद्यालय अच्छा हो, उसके लिए आपको भी प्रयास करना होगा। रामगंज मंडी में ऐसे विद्यालय को चयनित करें जहां **10-15** विद्यालय को मॉडल क्लास रूम बनाएं जा सकें ताकि गांव के अंदर बच्चों को शिक्षा दे सकें।

हमारी सबसे बड़ी चिंता स्वास्थ को लेकर है। मैंने आप लोगों के आग्रह पर कुछ लोगों से चर्चा कर रहा हूं कि गांव के लोगों को शहर न आना पड़े, आपके घर चल चिकित्सालय आएगा, वहां पर **27** तरह की जांच होगी, अभी दो गाड़ियां चल रही हैं, आने वाले समय में चार गाड़ियां चलेंगी। आने वाले समय में लीवर के लिए मोबाइल वैन चलेगी, कैंसर की मशीन चलेंगी। हम चाहते हैं कि गांव में ही जाकर गांव में बैठा व्यक्ति जिसको बीमारी की जानकारी नहीं है, उस बीमारी की सही जानकारी मिल जाए और उसका सही इलाज हो जाए।

हमारी चिंता छोटे-छोटे मेडिकल कैंप लगाने की नहीं है, मेडिकल कैंप लगाने से पीछे हमारा मकसद है कि गंभीर बीमारी को चयनित करना है, जिसकी जानकारी मरीज को नहीं है, उसका सही समय पर इलाज करना ताकि जितना व्यक्ति स्वस्थ रहेगा, उतना ही श्रेष्ठता से काम कर पाएगा।

अच्छा स्वास्थ और अच्छी शिक्षा हमारा मूल चिंतन है, हमारा मूल आधार है। रामगंज मंडी का हर व्यक्ति स्वस्थ रहे, इसके लिए पूरे इलाके में हमारे विधायक महोदय भी मेडिकल कैंप लगाते रहते हैं। मेडिकल कैंप लगाने के पीछे एक ही मकसद है कि गंभीर बीमारी का पता चल जाए। उदाहरण के तौर पर बताना चाहता हूं, अभी मैं खेलड़ी पंचायत के गांव में गया, मुझे एक व्यक्ति मिला, जिसको आंख से नहीं दिख रहा था, मुझे आशा है कि अगर वह हमारे पास सही समय पर आ जाएगा तो चेन्नई के सेन्ट्रल नेत्रालय में इलाज कराएंगे और यह हो सकता है उसकी आंखें फिर से देख सकेंगी।

हम ऐसे ही लोगों को ढूंढना चाहते हैं, मैं कार्यकर्ताओं से भी आग्रह करता हूं कि हमें बहुत संवेदना से काम करना है। अगर कोई गांव का व्यक्ति मिल जाए, अगर वह विकलांग है तो उसको मोटर वाली साइकिल दिला दें, कोई गांव के व्यक्ति की बतीसी नहीं है तो बतीसी लगा दें, कोई गांव के व्यक्ति को चलने फिरने में दिक्कत आती है तो उसको छड़ी दिला दें, कमर में दर्द है तो बेल्ट दिला दें, लेकिन यह सारा काम कार्यकर्ताओं को करना पड़ेगा, कार्यकर्ताओं को गांव में चयनित करके इसकी लिस्ट बनानी पड़ेगी। जो व्यक्ति बुजुर्ग हो चुका है और उसको सहायक यंत्र की आवश्यकता है, उसको सहायक उपकरण मिल जाए ताकि वह अपनी जिन्दगी बेहतरीन तरीके से जी सके। ऐसी सारी योजनाओं को एक प्लेटफार्म पर लाने के लिए आप सभी कार्यकर्ताओं को सामूहिकता से काम करने की आवश्यकता है।

आपने मुझे सांसद बनाया, लेकिन जिम्मेदारी और है कि लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर की प्रतिष्ठा बनी रहे, दुनिया के अंदर भारत लोकतंत्र सबसे बड़ा है, सबसे बड़ा संविधान है, उसकी जितनी प्रतिष्ठा बनेगी उतनी ही भारत की भी प्रतिष्ठा बनेगी। इस नाते वह जिम्मेदारी भी ठीक से निभा सकूं क्योंकि आपने हमें चुन कर भेजा है तो लोग पूछेंगे कि कहां से चुन कर प्रतिनिधि आया है, कोटा-बूंदी से चुन कर आया है। अगर ठीक से संचालन करूंगा तो आपकी भी प्रतिष्ठा बनेगी।

मैं आपको विश्वास दिला सकता हूं कि आप निश्चिंत रहें, भले ही मेरा व्यक्तिगत रूप से आना-जाना कम हो, लेकिन देश में कहीं भी कोई काम हो, किसी भी स्तर का काम हो, मैं आपकी सेवा के लिए हमेशा तैयार हूं। आप जब भी बताएंगे पूरा देश आपके साथ है, पूरा देश आपका है। कहीं भी कोई संकट या आपदा आती है, आप हमारे कार्यकर्ताओं से संपर्क कर सकते हैं, हमारे ऑफिस में संपर्क कर सकते हैं। हमारी कोशिश रहेगी कि हर व्यक्ति की पीड़ा और अभाव का कैसे समाधान किया जा सकता है, हम उसका प्रयास करेंगे।

अगर हम सामूहिकता से काम करेंगे तो हर गांव आदर्श गांव होगा, आदर्श केवल निर्माण से नहीं बल्कि हर गांव में अच्छी शिक्षा हो, अच्छा स्वास्थ हो, लोगों की आमदनी अच्छी हो, उससे आदर्श गांव बनता है। अच्छी कार्य संस्कृति हो, धर्म के आधार पर कार्य संस्कृति हो, सभी लोग दूसरों की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझ कर काम करें। दूसरे के अभाव को अपना अभाव समझ कर चिंता करें, इसके लिए अच्छे कार्यकर्ता की आवश्यकता है, एक अच्छा कार्यकर्ता वही होता है जो लोगों की चिंता करे, संवेदना के साथ चिंता करे।

मुझे आशा है कि रामगंज मंडी का कार्यकर्ता मेहनत और कर्मठशीलता से काम करता है, हम सामूहिकता से कड़ी मेहनत कर हर व्यक्ति के जीवन को सरल और सुविधाजनक बनाने के लिए काम करेंगे।

आज दिवाली पर आपसे सामूहिक रूप से राम-राम करने का मौका आया है। मुझे जब भी समय मिलता है तो मैं गांवों में जाने की कोशिश करता हूं। मैं चाहे आऊं या न आऊं, आप सभी लोग ओम बिरला हैं, आप सभी मिलकर जनता की सेवा करें। बहुत-बहुत शुभकामनाएं। बहुत-बहुत बधाई, राम राम।